

福建诗人丛书

张桂林 著

蓝天万里行



海峡文艺出版社

图书在版编目(CIP)数据

蓝天万里行/张桂林著. —福州:海峡文艺出版社, 1999.8
(福建诗人丛书)
ISBN 7—80640—293—4

I . 蓝… II . 张… III . 诗歌—作品集—中国—当代 IV . I
227

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (1999) 第 30914 号

蓝天万里行

福建诗人丛书

张桂林 著

*

海峡文艺出版社出版发行

(福州东水路 76 号 邮编: 350001)

福建省新华书店经销

中共福建省委办公厅文印中心印刷

开本 850×1168 毫米 1/32 10 印张 4 插页 230 千字

2003 年 2 月第三版

2003 年 2 月第三次印刷

ISBN7—80640—293—4

I · 239 定价: 25.00 元

如发现印装质量问题, 请寄承印厂调换

序

傅春龄

我生平爱交游，朋友不少，但军旅中的友人不多，张桂林同志是其中难得的一位。我们都因为爱好写诗吟诗走到一起来了，而且成了莫逆之交，真是一种缘分。

早在几年前，我就读过张桂林同志的诗作，深深地被他对诗的执着和真诚而感动。最近我又有幸拜读了他即将付梓的《蓝天万里行》，更为其诗作的问世而感到无比高兴。

桂林同志是一位现役军人，一位空军飞行员，更是一位优秀的多次获奖的特级飞行员。我曾记得七十年代在教育行政部门任职时，曾多次参与选拔飞行员的工作，在中学生中能够得上飞行员条件的仅万分之几。飞行员人才多么难得，更何况张桂林同志不仅是飞行员，而且还是位诗人。这样的人才就更显得凤毛麟角了。

军人，作为飞向蓝天的军旅诗人，他的诗歌也同飞向蓝天的神鹰一样，凌空翱翔，响彻云霄。我不能不赞叹桂林同志是一位文武双全、德艺双馨的军中好男儿了。

2009.8

《蓝天万里行》所收集的诗作，题材广泛，形式多样，从天上到人间，从塞北到江南，从将军到战士，从母亲到妻儿，不拘一格，包罗万象，绚丽多姿。因此，读他的诗作无疑是一种欣赏，一种享受，令人心旷神怡，精神为之振奋！

他的诗充满着爱和情，他爱祖国，爱人民，爱神州大地的山山水水，更爱日夜和他相伴的白云蓝天。“情动于中而形于言”，他在《人民飞行员》一诗中写道“永远跟党心不变，甘洒热血卫蓝天。”抒发他对党的一片忠诚。他思念相亲相爱的妻儿，他更深沉地爱着生他育他的母亲，“母亲不丑，您的形象总传神；母亲不贫，您有一颗金子的心；母亲偏爱，您全部乳汁育我身；母亲情纯，您给我四季暖如春。”他吟唱“天宽地阔，母子最近；天长地久，母子最亲”。那至真至爱的母子之情，震撼人们的心灵。

他的诗充满着遐想和希望，充满着革命乐观主义和革命浪漫主义的情怀。他把自己当作玉皇大帝的“来宾”，是大地的“使臣”；他把白云当作“知音”，把星星当作“好友”；他要“抓一把星斗，抱一团彩云”。他写出了“不骑黄鹤驾神鹰”的优美诗句。他的《带上蓝天》和《带回人间》都带着神话的色彩，把美好的祝愿送往天上带回人间。他写的《请问谁的本领大》一诗中，豪情满怀要与日月比高低，他把一位人民空军的威武写得淋漓尽致。要不是他是一位飞向蓝天的骄子，怎能写得出如此动人的诗篇！他在另一首题为《干休所》的诗作中，以极其丰富的想像力把老干部比作“远航归来的大船”，把干休所比作“宁静的港湾”，把老同志发挥余热比作“再度扬帆”，多么生动而又形象的比喻，读他的诗，犹如跟着他遨游蓝天碧海，浮想联翩。

他的诗充满着时代的气息，火热的诗篇反映了火热的生活。他从 1968 年开始写第一首《参军》到 1998 年的《送儿上军校》，几百首诗篇无不来自生活，拥抱生活，热情满怀，风风火火。他写的

《讨饭棍和驾驶杆》就是新旧社会父子两代生活的对比，也是切身感受。他的《致后勤兵》一诗中写着“路高，是你思想的境界；路宽，是你坦荡的胸襟；路明，是你心灵的洗涤；路长，是你情谊的延伸”。写的是军营生活，却又高于军营生活。“有家无暇恋儿女，情种颗颗播四方”，他不作无病呻吟，而把一位飞行员的革命情怀用诗的语言表达出来，有血有肉，令人感动。

他的诗还充满着一分为二的辩证法，充满人生哲理。写诗要写出哲理也是难乎其难的，而桂林同志的不少诗篇的比拟的手法表达了这一意境。他在《冲动和镇静》一诗中写有这样的诗句“冲动，能给人一时的激情；镇静，能品味永久的人生。假如我是沉淀的泥沙，冲动会把我从水底突然唤醒；假如我是飞腾的浪花，镇静会问我能否久立高峰。”他的诗作中最富有哲理的莫过于1993年6月《赠冯一平》战友的一首短诗：“现成的路，我不愿走，那是别人足步所修，是否坚固，令人担忧。荆棘丛生，山高路陡，我乐意从这里开头，兴许走出，一代风流。”其声朗朗，荡气回肠，令人慨叹，也发人深思。

特别令人赞颂的是，这位飞行员兼诗人的张桂林同志竟在商潮滚滚，物欲横流，人心浮躁的岁月里，他思绪宁静，胸怀宽阔，他写下了《我不下海》之歌，高唱“少年壮志，初衷不改；白云朵朵，蓝天一块；长城不倒，军人风采”。其慷慨激昂之词，令人肃然起敬。他在另一首《最佳选择》的诗篇中同样用诗歌表达了他的豪情壮志：“蓝，是最美丽的颜色；飞，是最佳的选择；只要有双强劲的翅膀，一切我都能舍得！”这是多么豪迈的声音，这声音表达了一位当代军人的心声，这心声告诉人们一个事实：“举世皆浊我独清，众人皆醉我独醒”（屈原《渔父》）。张桂林同志似乎进入了这一境界。

张桂林同志的诗作值得肯定的方面不仅仅上面几点，还有很多很多，如他的诗篇激浊扬清，爱憎分明，他歌颂真、善、美，鞭挞

假、丑、恶。在这里我不能一一表达。至于某些诗篇在辞句修饰上,尚可进一步琢磨和推敲,部分摹仿中华传统诗词的作品,格律上失之太宽,等等。但瑕不掩瑜,纵观大著,光彩夺目,主旋律是高昂的,健康的,是催人奋进的。值此张桂林同志佳作问世之时,我由衷表示热烈的祝贺,并祝在今后的创作中能写出更多更美的诗篇。在新的世纪里,再创辉煌。

一九九九年四月写于衢州柯城

目 录

| | |
|---------------|--------|
| 序 | 傅春龄(1) |
| 致读者 | (1) |
| 参军 | (2) |
| 送别 | (3) |
| 站岗 | (4) |
| 边疆寒 | (5) |
| 飞雪情 | (6) |
| 风沙爱 | (7) |
| 分配之前 | (8) |
| 怎奈我 | (9) |
| 三件宝 | (10) |
| 早操趣闻 | (11) |
| 手榴弹 | (12) |
| 边疆的日子 | (13) |
| 致炊事兵 | (15) |
| 津贴六元 | (16) |
| 两个班长一个样 | (17) |
| 张思德 | (19) |

| | |
|-----------|------|
| 光荣榜 | (20) |
| 绿色军装 | (21) |
| 致高炮兵 | (23) |
| 学习“白求恩” | (24) |
| 学习“愚公” | (25) |
| 野宿 | (26) |
| 喜讯 | (27) |
| 忆苦思甜会 | (33) |
| 百花梦 | (34) |
| 悼念张顺兴 | (35) |
| 参观丹江大坝 | (36) |
| 珍宝岛之战 | (37) |
| 别百花 | (39) |
| 国庆二十年 | (40) |
| 来者是英雄 | (41) |
| 玉帝迎我天上来 | (42) |
| 两种命 | (43) |
| 铁饭碗与金饭碗 | (44) |
| 讨饭棍与驾驶杆 | (46) |
| 带上蓝天 | (48) |
| 晨飞 | (50) |
| 贊傻劲 | (51) |
| 防线 | (52) |
| 东方红一号卫星上天 | (53) |
| 青春多问 | (54) |
| 飞行帽 | (55) |
| 群鹰展翅 | (56) |

| | |
|-------------|------|
| 和郭振祥 | (58) |
| 学习杜凤瑞 | (59) |
| 带回人间 | (61) |
| 与阿尔巴尼亚留学生联欢 | (64) |
| 井冈山 | (65) |
| 井冈行 | (66) |
| 人民飞行员 | (72) |
| 进党门 | (74) |
| 请问谁的本领大 | (75) |
| 驾驶杆 | (77) |
| 登盖山 | (78) |
| 春雷 | (80) |
| 尼克松访华 | (82) |
| 战士狂想曲 | (83) |
| 田中访华 | (84) |
| 武夷山下 | (85) |
| 回乡 | (86) |
| 归队 | (87) |
| 登岳阳楼 | (88) |
| 武夷山水歌 | (89) |
| 无题 | (91) |
| 嫦娥探亲 | (92) |
| 谁敢比 | (93) |
| 过通天岩 | (95) |
| 远走高飞 | (96) |
| 灵魂 | (98) |
| 西沙儿女 | (99) |

| | |
|---------|-------|
| 武夷无冬天 | (100) |
| 游武汉长江大桥 | (101) |
| 气象突变 | (102) |
| 东湖遇非洲朋友 | (103) |
| 赏花 | (104) |
| 雨天待命 | (105) |
| 春天,我不喜欢 | (106) |
| 做客 | (107) |
| 白云 | (108) |
| 飞行图囊 | (110) |
| 致新战友 | (111) |
| 谒烈士陵园 | (113) |
| 一种人 | (115) |
| 广阔天地 | (117) |
| 太阳月亮不敢比 | (118) |
| 悼念张永祥 | (120) |
| 献给无名烈士 | (121) |
| 母子情 | (122) |
| 悼念周总理 | (123) |
| 过开封 | (124) |
| 游西湖 | (125) |
| 谒岳王庙 | (126) |
| 观景 | (127) |
| 别武夷 | (128) |
| 泰和开航 | (130) |
| 忆秦娥·夜鹰 | (131) |
| 悼念朱德委员长 | (132) |

| | |
|-------------|-------|
| 悼念皮定钧司令员 | (133) |
| 伟人毛泽东 | (134) |
| 助民劳动 | (136) |
| 登山偶得 | (137) |
| 无题 | (138) |
| 致警卫兵 | (139) |
| 纪念陈毅元帅逝世五周年 | (140) |
| 总理坟墓何处寻 | (142) |
| 致青年朋友 | (143) |
| 观海浪 | (144) |
| 海岛 | (145) |
| 参观海军基地 | (146) |
| 惠安女 | (147) |
| 致地勤兵 | (148) |
| 春天寄语 | (150) |
| 过戴云山 | (151) |
| 参观旅顺港 | (152) |
| 节日值班 | (153) |
| 我只喜欢那一颗 | |
| ——录沈秀闽诗 | (154) |
| 我好战 | (156) |
| 仿十六字令·碑 | (158) |
| 别后的日子 | (160) |
| 兴城 | (161) |
| 骄子与使臣 | (162) |
| 给新生的儿子 | |
| ——张岩 | (163) |

| | |
|--------|-------|
| 过将军顶 | (165) |
| 军人过节 | (167) |
| 国旗 | (168) |
| 祖国 | (169) |
| 雄鹰飞 | (171) |
| 向孙安定学习 | (172) |
| 无题 | (175) |
| 母亲 | (176) |
| 为报答母爱 | (177) |
| 最佳选择 | (178) |
| 漫游鄱阳湖 | (179) |
| 审判小议 | (181) |
| 航行漫话 | (185) |
| 无题 | (186) |
| 致年轻战友 | (187) |
| 为了爱 | (188) |
| 过大柏地 | (189) |
| 夜航小调 | (190) |
| 我的家在哪里 | (191) |
| 奉献 | (192) |
| 故乡行记 | (193) |
| 命运 | (194) |
| 希望在哪里 | (195) |
| 中秋夜 | (196) |
| 庐山开航 | (197) |
| 游都江堰 | (198) |
| 山城 | (199) |

| | |
|--------|-------|
| 神女峰 | (200) |
| 牛肝马肺峡 | (201) |
| 江水流 | (202) |
| 早晨 | (203) |
| 致长者 | (204) |
| 赠孙夫曾 | (205) |
| 雷锋 | (206) |
| 傻大兵 | (208) |
| 登大雁塔 | (210) |
| 兵马俑观感 | (211) |
| 季节 | (212) |
| 张岩五岁生日 | (213) |
| 老伙伴 | (214) |
| 梅花 | (215) |
| 致领航科 | (216) |
| 无题 | (217) |
| 两地分 | (219) |
| 劝孟姜女 | (220) |
| 毛泽东诗碑前 | (221) |
| 赏月 | (222) |
| 许世友将军 | (223) |
| 谒中山陵 | (224) |
| 黄河水 | (225) |
| 致沈茂槐 | (226) |
| 八项素质歌 | (227) |
| 成吉思汗 | (228) |
| 致教员 | (229) |

| | |
|----------|-------|
| 致前线将士 | (231) |
| 各有所爱 | (232) |
| 专利 | (233) |
| 悼念刘伯承元帅 | (234) |
| 悼念叶剑英元帅 | (235) |
| 干休所 | (237) |
| 钱权天 | (238) |
| 长城 | (239) |
| 戴军功章有感 | (240) |
| 大海的肚量 | (241) |
| 别友人 | (242) |
| 问泉水 | (243) |
| 太阳岛 | (244) |
| 过泰山 | (245) |
| 是店还是家 | (246) |
| 急性病 | (247) |
| 农民陈永贵 | (248) |
| 十八般兵器歌 | (250) |
| 军人滋味 | (251) |
| 为了这块蓝色土地 | (253) |
| 致杜俊山 | (254) |
| 水仙花 | (255) |
| 谒南京雨花台 | (256) |
| 游东山 | (257) |
| 忆逝翁 | (258) |
| 戈尔巴乔夫访华 | (259) |
| 无题 | (260) |

| | |
|----------------|-------|
| 为将军送行 | (261) |
| 赠张海强 | (262) |
| 晋职有感 | (263) |
| 致骞蓬元 | (264) |
| 牛 | (265) |
| 迎春 | (266) |
| 岗位学雷锋 | (267) |
| 登滕王阁 | (268) |
| 昼夜耕耘 | (269) |
| 游寺院闲话 | (271) |
| 纪念张永祥等牺牲 15 周年 | (273) |
| 勋章 | (274) |
| 母亲墓前 | (275) |
| 致机关兵 | (276) |
| 军民共建 | (277) |
| 海湾战争 | (279) |
| 闽西合练 | (281) |
| 人与人字 | (282) |
| 创举 | (283) |
| 井冈之路 | (284) |
| 致刘麦选 | (286) |
| 参观辽沈战役纪念馆 | (288) |
| 老少风流歌 | (289) |
| 赠张炳文 | (290) |
| 赠张学俊 | (291) |
| 致余春纪、王兰华 | (292) |
| 赠何克哲 | (293) |

| | |
|------------|-------|
| 八一情怀 | (294) |
| 赠张杏芬 | (295) |
| 无题 | (296) |
| 致罗爱芬 | (297) |
| 病愈出所 | (298) |
| 登黄鹤楼 | (299) |
| 三十六计歌 | (300) |
| 和骞蓬元 | (337) |
| 致焦惠丛 | (338) |
| 冲动与镇静 | (339) |
| 贺张海强、汪良艳新婚 | (340) |
| 赠冯一平 | (341) |
| 赠吴公林 | (342) |
| 有人下海 | (343) |
| 我不下海 | (344) |
| 赠王景云 | (345) |
| 送杨卫国等 | (346) |
| 基层干部两本账 | (347) |
| 读毛泽东的朦胧诗 | (349) |
| 赠柴胜 | (351) |
| 赠顾培稳、赵希罕 | (352) |
| 赠刘克光 | (353) |
| 干部支委“一班人” | (354) |
| 初到衢州 | (355) |
| 答吴任宏 | (356) |
| 鞋山 | |
| ——赠许飞 | (357) |

| | |
|--------------|-------|
| 光福风雨 | (358) |
| 在军民共建签约仪式上致词 | (359) |
| 致薛林清 | (360) |
| 致连新华 | (361) |
| 赠马湘生 | (362) |
| 送查振明、王建龙 | (363) |
| 赠王清平 | (364) |
| 题蓝红星生日 | (365) |
| 致鞠荣余 | (366) |
| 致吕林 | (367) |
| 牛 | |
| ——与郑绍华共勉 | (368) |
| 一把手 | |
| ——致基层主官 | (369) |
| 悼念李富玉 | (371) |
| 致孙秉臣 | (372) |
| 致李德正、阎锡斌 | (373) |
| 致刘世昌 | (374) |
| 送许飞、韩建立 | (375) |
| 贺郑雪祥新婚 | (376) |
| 致将军的礼物 | |
| ——答邱汉文 | (377) |
| 致张宝成 | (379) |
| 采桑子·读《苇可诗选》 | (380) |
| 致傅禄宇 | (381) |
| 说长道短 | (382) |
| 两岸怒火 | (383) |